स्थानीय फिनटेक अभिकर्त्ताओं को प्रोत्साहन

प्रिलिम्स के लिये:

फिनटेक सेक्टर, **साइबर सुरक्षा**, **संसद समितियाँ**, **भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI)**, **भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम**, **भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड**

मेन्स के लिये:

भारत का डिजिटल भुगतान इकोसिस्टम, पूंजी बाज़ार

स्रोत: द हिंदू

चर्चा में क्यों?

संसद में पेश की गई हालिया रिपोर्ट में, **संचार और सूचना प्रौद्योगिकी पर स्थायी समिति** ने **भारत के डिजिटल भुगतान इकोसिस्टम** में **विदेशी स्वामित्व वाले फिनटेक (Fintech) ऐप्स** के प्रभुत्व को लेकर चिंता व्यक्त की है।

- फिनटेक का आशय वित्तीय सेवाएँ प्रदान करने के लिये डिजिटल प्लेटफॉर्म के उपयोग से है।

रिपोर्ट से संबंधित प्रमुख बिंदु क्या हैं?

- **प्रभावी विनियमन पर ज़ोर:**
  - भारत में भुगतान करने के लिये डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग बढ़ रहा है इसलिये समिति ने रिपोर्ट में इस बात पर बल दिया कि **डिजिटल भुगतान ऐप्स को प्रभावी ढंग से विनियमित किया जाना चाहिये।**
  - इस रिपोर्ट में के अनुसार **भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI)** और **भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (National Payments Corporation of India- NPCI)** जैसे नियामक निकायों को विदेशी ऐप्स की तुलना में **स्थानीय ऐप्स को विनियमित करना** अधिक 'व्यवहार्य' होगा क्योंकि विदेशी ऐप्स से संबंधित अधिकारिता में भिन्नता है।
- **विदेशी स्वामित्व वाली फिनटेक कंपनियों का प्रभुत्व:**
  - भारतीय फिनटेक क्षेत्र में विदेशी संस्थाओं के स्वामित्व वाली फिनटेक कंपनियाँ जैसे फोनपे (PhonePe) और गूगल पे (Google Pay) की बाज़ार हिस्सेदारी अत्यधिक है।
    - **बाज़ार हिस्सेदारी:** अक्तूबर-नवंबर 2023 तक के आँकड़ों के अनुसार PhonePe की हिस्सेदारी सबसे अधिक (46.91%) है तथा उसके बाद Google Pay (36.39%) और BHIM UPI (0.22%) का स्थान आता है।
- **NPCI द्वारा लेन-देन की उच्चतम सीमा का निर्धारण (वॉल्यूम कैप):**
  - समिति की अनुशंसाएँ काफी हद तक NPCI द्वारा नवंबर 2020 में **यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (UPI)** का उपयोग करके लेन-देन की उच्चतम सीमा (वॉल्यूम कैप) 30% निर्धारित करने के अनुरूप हैं।
    - NPCI द्वारा निर्धारित यह सीमा PhonePe और Amazon Pay जैसे तृतीय-पक्ष ऐप्स को **तीन माह में UPI की कुल लेन-देन के 30% से अधिक की हिस्सेदारी** होने से प्रतिबंधित करती है।
    - निर्धारित उच्चतम सीमा से अधिक लेन-देन प्रबंधित करने वाले ऐप्स को दो वर्ष की चरणबद्ध अनुपालन अवधि (दिसंबर 2022-दिसंबर 2024) दी गई थी।
  - इस उच्चतम सीमा (वॉल्यूम कैप) का उद्देश्य UPI भुगतान में वृद्धि के दौरान होने वाले **संभावित जोखिमों को कम करना और UPI भुगतान इकोसिस्टम की सुरक्षा करना** है।
  - NCPI ने UPI विकास को बढ़ावा देने और बाज़ार संतुलन में स्थिरता बनाए रखने के लिये बैंकों तथा गैर-बैंकिंग वित्त कंपनियों द्वारा उपभोक्ता पहुँच में विस्तार करने पर ज़ोर दिया।
- **धोखाधड़ी संबंधी चिंताएँ:**
  - समिति ने चीनी घोटालेबाज़ों द्वारा अबू धाबी की Pyppl ऐप का दुरुपयोग करने जैसे मामलों को आधार बनाते हुए **धन शोधन के लिये फिनटेक प्लेटफॉर्मों के दुरुपयोग** से संबंधित चिंताओं पर प्रकाश डाला।

- पिछले पाँच वर्षों में भुगतान की मात्रा में वृद्धि के बावजूद **धोखाधड़ी से बिक्री (F2S) अनुपात** काफी हद तक 0.0015% के आसपास बना हुआ है।
    - UPI धोखाधड़ी से प्रभावित उपयोगकर्त्ताओं का प्रतिशत 0.0189% था।
    - **F2S** एक **मात्रा आधारित प्रतिशत** है जो **किसी व्यवसाय में उनकी मासिक बिक्री की मात्रा की तुलना में किसी दिये गए महीने में की गई धोखाधड़ी वाले लेन-देन की संख्या** को मापता है।

फिनटेक क्या है?

- **परिचय:**
  - फिनटेक, एक वित्तीय प्रौद्योगिकी, भुगतान, उधार, बीमा, धन प्रबंधन तथा अन्य **वित्तीय सेवाएँ प्रदान करने** अथवा उनको अधिक सुविधाजनक बनाने के लिये डिजिटल प्लेटफॉर्म, सॉफ्टवेयर एवं सेवाओं का उपयोग है।
- **महत्त्व:**
  - फिनटेक, भारत के लिये महत्त्वपूर्ण है क्योंकि यह सहायता कर सकता है:
    - भारत में, विशेष रूप से **ग्रामीण एवं दूरदराज़ के क्षेत्रों में बड़ी संख्या में बैंक रहित तथा कम बैंकिंग सुविधा वाली आबादी तक वित्तीय सेवाओं की पहुँच के साथ समावेशन** का विस्तार करना है ।
    - पारंपरिक तरीकों में शामिल लागत, समय एवं घर्षण को कम करके **वित्तीय लेन-देन की दक्षता तथा सुविधा को बढ़ाना।**
    - उद्यमियों, स्टार्टअप एवं उपभोक्ताओं के लिये **नए अवसर एवं बाज़ार सृजित करके भारतीय अर्थव्यवस्था के नवाचार एवं विकास को बढ़ावा** देना।
- **भारत के फिनटेक उद्योग के भाग एवं कार्यप्रणाली:**
  - फिनटेक के अंतर्गत प्रमुख क्षेत्रों में **भुगतान, डिजिटल ऋण, इंश्योरटेक, वेल्थटेक** शामिल हैं।
    - डिजिटल भुगतान, जो ऑनलाइन या मोबाइल प्लेटफॉर्म, जैसे कि **QR, वॉलेट, कार्ड** एवं **QR कोड** के माध्यम से **धन अथवा मूल्य के हस्तांतरण को सक्षम** बनाता है।
    - **डिजिटल ऋण,** जो वैकल्पिक डेटा स्रोतों एवं एल्गोरिदम का उपयोग करके ऑनलाइन अथवा मोबाइल प्लेटफॉर्म के माध्यम से व्यक्तियों अथवा व्यवसायों को ऋण प्रदान करता है।
    - **इंश्योरटेक,** जो बीमा उत्पादों के साथ-साथ सेवाओं के वितरण, एवं प्रबंधन में सुधार के लिये प्रौद्योगिकी लागू करता है।
    - **वेल्थटेक,** जो निवेश, धन प्रबंधन एवं वित्तीय सलाहकरी सेवाओं के लिये ऑनलाइन अथवा मोबाइल मंच प्रदान करता है।
  - **भारत,** दुनिया में **सबसे तेज़ी से बढ़ते फिनटेक बाज़ारों में से एक** है। यहाँ लगभग 7,000 से अधिक फिनटेक स्टार्ट-अप है।
  - भारतीय फिनटेक उद्योग का बाज़ार आकार वर्ष 2021 में 50 बिलियन अमेरिकी डॉलर तथा और साथ ही वर्ष 2025 तक इसके लगभग 150 बिलियन अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है।
- **भारत में फिनटेक के लिये प्रमुख नियामक संस्थाएँ:**
  - **भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI):**
    - RBI, बैंकों, **NBFC**, PSP तथा क्रेडिट ब्यूरो को विनियमित करता है।
    - भारत के मुद्रा बाज़ार तथा विदेशी मुद्रा बाज़ार को विनियमित करने के लिये ज़िम्मेदार है।
    - **डिजिटल भुगतान** जैसे फिनटेक क्षेत्रों की निगरानी करता है,
    - **डिजिटल ऋण** तथा **डिजिटल अथवा नव-बैंक(नियोबैंक)।**
  - **भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI):**
    - प्रतिभूति बाज़ारों एवं स्टॉकब्रोकरों तथा निवेश सलाहकारों जैसे **मध्यस्थों को विनियमित** करता है।
    - प्रतिभूति, बाज़ारों और स्टॉकब्रोकरों तथा निवेश सलाहकारों जैसे मध्यस्थों को नियंत्रित करता है।
    - स्टॉकब्रोकिंग और निवेश सलाहकार जैसी सेवाएँ इसके अधिकार क्षेत्र में आती हैं।
  - **भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (IRDAI):**
    - बीमाकर्त्ताओं, कॉर्पोरेट एजेंटों, बीमा के लिये वेब एग्रीगेटर्स और तीसरे पक्ष के एजेंटों को विनियमित करता है।
    - बीमा क्षेत्र में अनुपालन और अखंडता सुनिश्चित करता है।

स्थानीय फिनटेक अभिकर्त्ताओं के सामने क्या चुनौतियाँ हैं?

- **अधिक प्रतिस्पर्द्धा:**
  - भारतीय फिनटेक क्षेत्र अत्यधिक प्रतिस्पर्द्धी है, जिसमें कई स्थानीय और विदेशी खिलाड़ी बाज़ार हिस्सेदारी की तलाश में हैं। यह तीव्र प्रतिस्पर्द्धा स्थानीय अभिकर्त्ताओं के लिये अलग दिखना और एक **महत्त्वपूर्ण उपयोगकर्त्ता आधार हासिल** करना कठिन बना सकती है।
    - स्थानीय अभिकर्त्ताओं को **अक्सर विशाल संसाधनों और अनुभव वाले स्थापित वैश्विक फिनटेक दिग्गजों से प्रतिस्पर्द्धा का सामना करना** पड़ता है। ये दिग्गज ग्राहकों को आकर्षित करने तथा प्रतिस्पर्द्धात्मक बढ़त हासिल करने के लिये अपनी ब्रांड पहचान एवं तकनीकी प्रगति का लाभ उठा सकते हैं।
- **नियामक बाधाएँ:**
  - फिनटेक के लिये भारतीय नियामक परिदृश्य लगातार विकसित हो रहा है, जिससे **स्थानीय खिलाड़ियों हेतु अनुपालन आवश्यकताओं को पूरा करना चुनौतीपूर्ण** हो गया है।

        - इन जटलिताओं से नपिटना, वशिष रूप से छोटे स्टार्टअप के लयि, समय लेने वाला और संसाधन-गहन हो सकता है।
    - **डेटा गोपनीयता और सुरक्षा** को लेकर बढ़ती चतिाएँ स्थानीय अभकिर्त्ताओं के लयि चुनौतयिाँ पैदा करती हैं। उन्हें उपयोगकर्त्ता का **वशि्वास हासलि करने हेतु मज़बूत डेटा सुरक्षा उपायों** में नविश करने और [वयक्तगित डेटा संरक्षण]जैसे डेटा गोपनीयता नयिमों का अनुपालन सुनश्चिति करने की आवश्यकता है।
- **वत्तिीय बाधाएँ:**
    - अपने वदिेशी समकक्षों की तुलना में, **स्थानीय अभकिर्त्ताओं के पास अक्सर फंडगि तक सीमति पहुँच होती है, जसिसे नई प्रौद्योगकियिों में नविश करने**, अपनी पहुँच का वस्तिार करने और प्रभावी ढंग से प्रतस्पिर्द्धा करने की उनकी क्षमता में बाधा आती है।
        - जबकि **UPI जैसे त्वरति भुगतान ने भारतीय बाज़ार में क्रांतिला दी है, उनकी न्यूनतम लेन-देन शुल्क स्थानीय अभकिर्त्ताओं के लयि राजस्व सृजन** को सीमति कर सकती है, खासकर उन लोगों हेतु जो पूरी तरह से इस सेगमेंट पर नरि्भर हैं।
        - **मैकन्सि (McKinsey's) की रपिोर्ट (2023) के अनुसार** भारत में तत्काल भुगतान भवषि्य की **राजस्व वृद्धमिें 10% से कम योगदान दे सकता** है।
            - यह **अनुमान UPI के माध्यम से कयि गए लेन-देन के लयि लगाए गए शुल्क** की अनुपस्थतिि के कारण है, **जबकि UPI न्यूनतम लेन-देन शुल्क लगाता है, फरि भी यह शुल्क-कम नकद लेन-देन की तुलना में अधकि राजस्व उत्पन्न** करता है।
                - महंगे नकदी प्रबंधन की तुलना में कागज़ रहति लेन-देन डजिटिल वाणज्यि की सुरक्षा और पहुँच को बढ़ाता है।
- **तकनीकी सीमाएँ:**
    - वैश्वकि फनिटेक परदिृश्य में तेज़ी से तकनीकी प्रगतिस्थानीय अभकिर्त्ताओं के लयि चुनौतीपूर्ण हो सकती है। प्रतस्पिर्द्धी बने रहने और नवीन समाधान पेश करने हेतु उन्हें **अनुसंधान तथा वकिास में लगातार नविश करने की आवश्यकता** है।
        - उन्नत तकनीकी बुनयिादी ढाँचे तक पहुँच की कमी, जैसे कग्रिामीण क्षेत्रों में बेहतर इंटरनेट कनेक्टवििटी, स्थानीय फनिटेक सॉल्यूशन की **पहुँच और समावेशतिा में बाधा** बन सकती है।
- **उपयोगकर्त्ता का वशि्वास और व्यवहार:**
    - **डजिटिल साक्षरता, डेटा सुरक्षा** और **संभावति धोखाधड़ी** के बारे में चतिाओं के कारण, **वशिेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में** उपयोगकर्त्ताओं में वशि्वास स्थापति करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। स्थानीय अभकिर्त्ता को उपयोगकर्त्ताओं के लयि शक्षिा में नविश करने और पारदर्शी प्रथाओं के माध्यम से वशि्वास बनाने की आवश्यकता है।

आगे की राह

- **स्थानीय और वदिेशी फनिटेक अभकिर्त्ता:**
    - भुगतान, ऋण, धन प्रबंधन और बीमा जैसे वभिन्नि क्षेत्रों में सेवा देने के लयि स्थानीय तथा वदिेशी फनिटेक अभकिर्त्ताओं का संतुलति संयोजन आवश्यक है।
        - इष्टतम संयोजन/मश्रिण को भारतीय पारस्थितिकिी तंत्र के हतिों और ज़रूरतों को संतुलति करना चाहयि, जसिमें उपयोगकर्त्ता, प्रदाता, नयिामक तथा समाज शामलि हैं।
- **उन्नत नयिामक सहभागतिा:**
    - स्थानीय फनिटेक अभकिर्त्ताओं को बढ़ती अनुपालन आवश्यकताओं को समझने एवं नयिमों का पालन सुनश्चिति करने के लयि नयिामक नकियों के साथ सक्रयि रूप से जुड़ना चाहयि।
    - **नयिामकों के साथ सहयोग जवाबदेही और अनुपालन प्रक्रयिाओं** को सुव्यवस्थति करने एवं नवाचार तथा वकिास के लयि अनुकूल नयिामक वातावरण को बढ़ावा देने **में मदद कर सकता है**।
- **उपयोगकर्त्ता का अनुभव:**
    - उपयोगकर्त्ता के अनुकूल इंटरफेस और कार्यक्षमताएँ डज़िाइन की जानी चाहयि जो सुलभ हों तथा डजिटिल साक्षरता के वभिन्नि स्तरों को पूरा करें, वशिेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में।
- **फंडगि तक पहुँच:**
    - स्थानीय अभकिर्त्ताओं के लयि उद्यम पूंजी नविश या सरकारी अनुदान जैसे फंडगि तक आसान पहुँच की सुवधिा के लयि पहल का पता लगाने की आवश्यकता है, जो उन्हें प्रभावी ढंग से प्रतस्पिर्द्धा करने में मदद कर सकता है।
- **ग्राहक का भरोसा:**
    - वशि्वास कायम करने के लयि शक्षिा, पारदर्शी संचार और मज़बूत सुरक्षा उपायों पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

भारत के संदर्भ में, नम्निलखिति पर वचिार कीजयि: (2010)

1. बैंकों का राष्ट्रीयकरण
2. क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का गठन
3. बैंक शाखाओं द्वारा गाँव का अभग्रिहण

उपरोक्त में से कसि भारत में "वत्तिीय समावेशन" प्राप्त करने के लयि उठाया गया कदम माना जा सकता है?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/promoting-local-fintech-players